मुख्य समाचार :–

- पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तैयारियों की समीक्षा की। कहा– आर्थिक और व्यापारिक स्थिरता बनाए रखना और नागरिकों के हितों की रक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं।
- राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने महिला स्वयं सहायता समूह के उत्पादों की पैकेजिंग और तकनीकी प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें बड़े बाजारों से जोड़ने पर जोर दिया।
- विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शिक्षकों के वार्षिक स्थानांतरण हर हाल में सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।
- कुंभ मेला– 2027 में देव डोलियों की भव्य शोभायात्रा और गंगा स्नान की तैयारियां शुरू।

प्रधानमंत्री समीक्षा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच आर्थिक और व्यापारिक स्थिरता बनाए रखना, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और नागरिकों के हितों की रक्षा सरकार की प्राथमिकताएं हैं। श्री मोदी ने यह बात कल शाम कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों के साथ एक उच्च–स्तरीय वर्चुअल बैठक में कही। बैठक का उद्देश्य संघर्ष के समय देश की तैयारियों की समीक्षा करना था। श्री मोदी ने राज्यों से अपील की कि वे आपूर्ति व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करें और जमाखोरी तथा मुनाफाखोरी के खिलाफ सख्त कदम उठाएं। उन्होंने राज्यों से सौर ऊर्जा, जैव ईंधन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाने की गति तेज़ करने का आग्रह किया और पाइप वाली प्राकृतिक गैस के बुनियादी ढांचे का विस्तार करने को भी कहा।

राज्यपाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने महिला स्वयं सहायता समूह के उत्पादों की पैकेजिंग, विपणन और तकनीकी प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें बड़े बाजारों से जोड़ने पर जोर दिया है। राज्यपाल ने पौड़ी सर्किट हाउस में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कर विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के साथ–साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने महिलाओं को पंतनगर विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण कराने पर भी बल दिया, जिससे वे नवीन तकनीकों और नवाचारों को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि महिलाओं को आधुनिक पैकेजिंग और प्रभावी विपणन के लिए प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे उनके उत्पादों को बेहतर बाजार मिल सके। इसके बाद राज्यपाल ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जिले के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं, बायोमास ऊर्जा, पर्यटन और नवाचार से संबंधित योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

वीबीजी राम जी

बागेश्वर जिले के घिरौली गांव में " विकसित भारत–जी राम जी योजना" को लेकर जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और योजना के विभिन्न पहलुओं को विस्तार से समझा। इस अवसर पर मनरेगा के उप कार्यक्रम अधिकारी वी.पी. सिंह ने "विकसित भारत जी राम जी योजना" को लेकर चल रही अफवाहों और विसंगतियों पर चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जी राम जी योजना पूरी तरह से पारदर्शी और जनहित में बनाई गई योजना है, जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को बढ़ाना और आर्थिक मजबूती प्रदान करना है। गोष्ठी में सहायक खंड अधिकारी विपिन उपाध्याय ने भी योजना के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपस्थित अन्य अधिकारियों और ग्राम प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और योजना को सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

शिक्षा मंत्री

विद्यालयी शिक्षा विभाग के अंतर्गत शिक्षकों के वार्षिक स्थानांतरण हर हाल में सुनिश्चित किए जाएंगे। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को सभी औपचारिकताएं पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही विद्यालयों के कोटीकरण को लेकर उच्च न्यायालय में दायर याचिका में तथ्यों के साथ ठोस पैरवी करने को भी कहा गया है। विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि वार्षिक स्थानांतरण और पदोन्नति, शिक्षकों का मौलिक अधिकार है और राज्य सरकार इसको लेकर खासी गंभीर है। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को वार्षिक स्थानांतरण प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि सभी पात्र शिक्षक समयबद्ध रूप से आवेदन कर पारदर्शी व्यवस्था के तहत स्थानांतरण का लाभ ले सके। डॉ. रावत ने बताया कि इसको लेकर वित्त एवं कार्मिक विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। जिसमें विशेष रूप से अनुरोध श्रेणी के स्थानांतरणों को प्राथमिकता के आधार पर करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने शिक्षकों के पदोन्नति प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन और विभागीय स्तर पर निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं, ताकि शिक्षकों को शीघ्र पदोन्नति का लाभ मिल सके।

कुंभ/देव डोलियां

कुम्भ मेला–2027 में गढ़वाल और कुमाऊं मंडल की देव डोलियों के स्नान और व्यवस्थाओं को लेकर हरिद्वार में मेला प्रशासन और आयोजक समिति की बैठक हुई। मेलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में देव डोलियों के स्नान की तिथि और शोभायात्रा की रूपरेखा सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मेलाधिकारी ने कहा कि देव डोलियों की शोभायात्रा और स्नान कार्यक्रम को भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा। साथ ही कुंभ की परंपराओं, लोक आस्था और सांस्कृतिक महत्व का विशेष ध्यान रखा जाएगा। बैठक में लैंसडाउन क्षेत्र के विधायक दिलीप रावत ने कहा कि राज्य सरकार कुंभ मेले के अवसर पर देव डोलियों के स्नान और शोभायात्रा को भव्य रूप देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उद्यमिता कार्यशाला

पौड़ी गढ़वाल के कोटद्वार में जिला उद्योग केंद्र द्वारा आयोजित स्टार्ट–अप कार्यशाला में युवाओं को उद्यमिता और स्वरोजगार के प्रति प्रेरित किया गया। कार्यशाला में विभिन्न विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को नवाचार, व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया और सरकारी योजनाओं से जुड़ने की जानकारी दी। कार्यशाला का शुभारंभ जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक सोमनाथ गर्ग ने किया। उन्होंने उद्योग विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए युवाओं को स्वरोजगार अपनाने और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होंगी।

भौक्षणिक भ्रमण

हरिद्वार में ग्रामोत्थान– रीप परियोजना के तहत स्वायत्त सहकारिताओं के प्रतिनिधियों, किसानों और उद्यमियों के लिए तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत मीठी गंगा कृषक उत्पादक संगठन से जुड़े मधुमक्खी पालकों के एक दल को हरियाणा के धरोंदा स्थित एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र भेजा गया है। वहां प्रतिभागियों को उन्नत मधुमक्खी पालन तकनीक, उत्पादन प्रबंधन और शहद के आधुनिक विपणन तरीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।